

संशोधित नियमावली

- 26
१. समिति का नाम - जय दुर्गा मन्दिर सेवा समिति
 २. समिति का पता - धोरावल बाजार, जिला- सोनभद्र
 ३. समिति का कार्य उद्देश्य - समूगे उत्तर प्रदेश
 ४. समिति का उद्देश्य एवं कार्य-

कोई भी व्यक्ति जो संस्था के हित य भलाई के साथ निःस्वावे सेवा योगदान द्वाटा है तबा ५८ वर्ष की उमा पूरी की हो उनकी सदस्यता निम्न होगी।

(अ) संस्थापक सदस्य :-

संस्था की स्थापना करने वाले सदस्य संस्थापन सदस्य अंतर्वारे वर्ष के लिए एक वार ५००/- निःस्वावे शुल्क देंग।

(ब) जारीवन सदस्य :-

दो व्यक्ति जो संस्था के लिए मे ६५ १०००/- निःस्वावे जमा करेंगे वे प्रदन्त सामिति में संस्था के जारीवन सदस्य होंगे।

(द) साधारण सदस्य :-

कोई भी भारतीय वयस्क जो संस्था के लिए मे ५१/- द० नकद यापक शुल्क के द्वारा में जमा करेंगे वह संस्था के साधारण सदस्य माने जायेंगे।

(इ) विशिष्ट हितेषी :-

कोई भी भारतीय नवजुडक जो संस्था के नियमों वो स्वेच्छा से स्वीकार करता है तथा जिसके विशेष ज्ञान अनुभव एवं व्यक्तित्व का उपयोग संस्था के लिये हिताहर हो वे संस्था के विशिष्ट हितेषी राष्ट्रीय प्रबन्ध कार्यालय समिति की स्वीकृति पर ही माने जायेंगे, जिनकी कोई सदस्यता शुल्क देय नहीं होगी वे स्वेच्छा से वान दे सकते हैं।

(ग) सदस्यता की शर्तेः -

१. किसी भी प्रकार के पाइक वस्तुओं के संबन्ध नियम होग।

२. हर प्रकार से संस्था राज्य के प्रति निष्ठावान होगी।

३. उस व्यक्ति का वाल-चलन एवं व्यवहार जच्छा हो।

४. मानसिक रूप से वह व्यक्ति संतुष्टिहास हो।

(र) सदस्यता की समाप्ति :-

१. किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने पर।

२. विसी सदस्य के तंत्रा को धृति पातुवासे पर विषय निष्ठावान साधारण रूप से अमृत दाता विद्या जायेगा।

३. विसी सदस्य के त्याग प्रब्र स्वीकार किये जाने पर।

४. किसी सदस्य के मरियु विष्टात्यो अपना जरोल्ल रूप से असमय हो जाने पर।

५. किसी सदस्य के सदस्यता शुल्क न देने पर।

काय प्रतिलिपि

लाभावाक लिखान
सम्बूद्ध लोकाद्वीप एवं चिह्न
वाराणसी

प्रतिलिपि वर्ती १०
विद्यान वर्ती